**राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान**
**माध्यमिक पाठ्यक्रम : कर्नाटक संगीत**
**पाठ 1 : भारतीय संगीत का उद्गम एवं विकास**
**कार्यपत्रक - 1**

1. भारतीय शास्त्रीय संगीत की दो शाखाओं की पहचान करें।

2. भारतीय संगीत के इतिहास के तीन प्रमुख युगों का उल्लेख करें।

3. कर्नाटक संगीत के त्रिमूर्ति की पहचान करें।

4. '१८वीं शताब्दी कर्नाटक संगीत के लिये महत्त्वपूर्ण मानी जाती है'। इस कथन का औचित्य अपने शब्दों में बतायें।

5. किसी प्राचीन शिलालेख की पहचान करें जिसमें कर्नाटक संगीत के सांगीतिक तथ्य बताये गये हैं।

6. 'कर्नाटक संगीत पितामह' के रूप में पूजनीय रचयिता की पहचान करें।

7. व्यंकटमखी कृत ग्रंथ 'चतुरदंडी प्रकाशिका' संगीत के इतिहास में एक मील का पत्थर है'। अपने शब्दों में इस कथन का औचित्य बतायें।

8. आधुनिक कर्नाटक पद्धति के संगीतज्ञ कौन सी मेल पद्धति के अनुयायी हैं?

9. कर्नाटक संगीत में ग्रहण किये गये दो पाश्चात्य संगीत वाद्यों का उल्लेख करें।

10. कर्नाटक संगीत की त्रिमूर्ति में प्रत्येक के दो विद्यार्थियों के नाम बतायें।